सफलता की कहानी...

# किसानों का आर्थिक उत्थान करता रायसिंहनगर प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक

प्राथमिक भूमि विकास बैंक द्वारा सहकारी साख व्यवस्था के माध्यम से काश्तकारों के सर्वांगीण विकास का उद्देश्य कृषि विकास जिसमें भूमि सुधार एवं कृषि साधनों का यंत्रीकरण सम्मिलित है, पूरा किया जा रहा है। किसानों के आर्थिक उत्थान एवं उन्हें सम्बल प्रदान करने में ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यशील प्राथमिक भूमि विकास बैंकों की महती भूमिका रही है।

राज्य के सिंचित जिले श्रीगंगानगर के कृषकों की कृषि विकास एवं ग्रामीण विकास की आवश्यकताओं की पूर्ति रायसिंहनगर सहकारी भूमि विकास बैंक द्वारा कुशलता पूर्वक की जा रही है। निजी एवं अन्य व्यावसायिक बैंकों से मिल रही चुनौतियों के बावजूद रायसिंहनगर सहकारी भूमि विकास बैंक ने जिले में अपनी अलग साख कायम की है। बैंक द्वारा किसानों की अल्पकालीन, मध्यकालीन एवं दीर्घकालीन ऋण आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा है। साथ ही जन-आवास मंगल योजना, नलकूप क्षतिपूर्ति योजना एवं महिला विकास योजना का लाभ सदस्य काश्तकारों को दिया जा रहा है। सदस्यों की सुलभ व ग्राहकोन्मुखी पहुंच का परिणाम है कि बैंक की सदस्य संख्या जो कि स्थापना वर्ष 1959 में 51 थी जो वर्तमान में 12286 हो गई है।

रायसिंहनगर सहकारी भूमि विकास बैंक किसानों का अपना बैंक है। कार्मिकों का सदस्यों से जुड़ाव एवं उनके अथक प्रयासों का परिणाम है कि वर्ष 2015-16 में बैंक से 8662 ऋणी सदस्यों को जोड़ा गया है एवं 2747.18 लाख रुपए का ऋण वितरण किया गया है। बैंक को राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक से गत वर्षों से लगातार ऋण वितरण एवं वसूली में अग्रणी स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार प्राप्त होते रहे हैं।

रायसिंहनगर सहकारी भूमि विकास बैंक के संचालक मण्डल के अध्यक्ष श्री इन्द्रजीत सिंह रंधावा के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि वर्ष 2015-16 में बैंक द्वारा मांग के विरूद्ध 80.40 प्रतिशत की वसूली की गई एवं गैरनिष्पादन आस्तियां 3.70 प्रतिशत रही है। बैंक द्वारा लगातार 6 वर्षों से ऋण वितरण व वसूली में राज्य स्तर पर पुरस्कार प्राप्त किया जा रहा है। बैंक से जुड़ने वाले सदस्यों में सहकारिता की मूल भावना को जागृत कर उसे बैंक को स्वयं का बैंक होने की अनुभूति कराना अर्थात बैंक का लाभ उसका लाभ है, हानि उसकी हानि। इस भावना के प्रसार से सदस्य स्वतः स्फूर्त रूप से बैंकिंग कार्य में भाग लेते हैं।

बैंक के प्रबंधक एवं सचिव श्री राजेन्द्र प्रसाद सिकलीगर द्वारा भी सदस्यों की भागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है। बैंक लगातार लाभ में कार्य कर रहा है। बैंक द्वारा सहकारी अधिनियमानुसार आमसभा का आयोजन किया जा रहा है। बैंक की वर्ष 2015-16 तक ऑडिट हो चुकी है एवं 2014-15 तक ऑडिट अनुपालना कर ली गई है। सदस्यों की बैंक की कार्यप्रणाली में विश्वास का परिणाम है कि बैंक की हिस्सा राशि एवं कार्यशील पूंजी में निरन्तर बढोतरी हो रही है। वर्तमान में बैंक की हिस्सा राशि 281.55 लाख एवं कार्यशील पूंजी 8128.24 लाख रुपए है। आज जहां राज्य के अधिकतर भूमि विकास बैंक घाटे में चल रहे है वहीं रायसिंहनगर सहकारी भूमि विकास बैंक का वर्ष 2015-16 तक का संचित लाभ 101.10 लाख रुपए है। बैंक द्वारा गत 20 वर्षों से अपने सदस्यों को लाभांश वितरित किया जा रहा है।

इस प्रकार रायसिंहनगर सहकारी भूमि विकास बैंक के कुशल प्रबंधन, कार्मिकों की लगन द्वारा ऋण व्यवसाय एवं वसूली में आज के प्रतिस्पर्धी युग में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। इन प्रयासों को अन्य सहकारी संस्थाओं को भी अमल में लाया जा कर सहकारी आंदोलन को बढ़ावा देने में योगदान देना होगा।

## फेक्ट फाइल

| | |
|---|---|
| 1 | सहकारी संस्था का नाम:- रायसिंहनगर प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक व पंजीयन क्रमांक व तिथि:- 836 के./13.07.1959 |
| 2 | स्थापना के समय सदस्य संख्या :- 51 सदस्य<br>व वर्तमान में सदस्य संख्या :- 12286 सदस्य |
| 3 | हिस्सा राशि :- 281.55 लाख रुपए<br>कार्यशील पूंजी :- 8128.24 लाख रुपए |
| 4 | संस्था द्वारा किए जा रहे मुख्य कार्य :- किसानों की अल्पकालीन, मध्यकालीन एवं दीर्घकालीन ऋण आवश्यकताओं की पूर्ति व जन आवास मंगल योजना, नलकूप क्षतिपूर्ति योजना एवं महिला विकास आदि योजना का लाभ सदस्यों को दिलवाना |
| 5 | विगत पांच वर्ष का आर्थिक कारोबार :- वर्ष 2010-11 में संचित लाभ 44.30 लाख रुपए था जो वर्ष 2015-16 में बढ़कर 101.10 लाख रुपए है |
| 6 | संस्था की लाभदायकता :- 40.25 लाख रुपए व लाभांश वितरण :- 5 प्रतिशत |
| 7 | ऑडिट :- 2015-16 तक की ऑडिट हो चुकी है |